Date-
17/04/2020

Pedagogy of Physical Science

Topic- पॉवर प्वाइन्ट

B.Ed Ist year
Period- Vth
Unit - IIIrd

## पॉवर प्वाइन्ट (Power Point)

### सामान्य परिचय ⇒

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (MS - Office) एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है। यह सॉफ्टवेयर ऑफिस से सम्बन्धित कार्य जैसे ग्राफ तैयार करना, एकाउन्टिंग कार्य, डाटा बेस विश्लेषण और पत्र लेखन आदि किये जाते है। इसलिये यह MS- office कहा जाता है।
यह स्वयं मे चार प्रोग्राम्स का समूह है। ये प्रोग्राम है -

1 ⇒ एम. एस. वर्ड (MS - Word)

2 ⇒ एम. एस. एक्सेल (MS- Excel)

3 ⇒ एम. एस. एक्सेस (MS- Access)

4 ⇒ एम. एस. पॉवरप्वाइन्ट (MS- Power Point)

एम. एस. ऑफिस के ये सभी प्रोग्राम्स मूल रूप में अलग अलग प्रकार के कार्यो को करने के लिये है। किन्तु इन सबकी कार्यप्रणाली मे समानता है, अलगाव नही अर्थात एक प्रोग्राम पर कार्य करने के पश्चात दूसरा प्रोग्राम सीखना स्वत: सरल हो जाता है। यहा कम्प्यूटर सहायक विधि के अन्तर्गत पॉवर प्वाइन्ट के कार्यो का कम्प्यूटरीकरण किया जाता है।

## पॉवर पॉइन्ट के कार्य

पॉवरपॉइन्ट माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस का एक प्रोग्राम है। इसका प्रयोग विभिन्न प्रकार से किया जाता है। इसका प्रयोग व्यापार में, शिक्षा के क्षेत्र में और राजकीय कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। वे इसके माध्यम से स्लाइड शो का प्रदर्शन करते है। प्रस्तुतीकरण को प्रभावी बनाने के लिये पॉवर प्वाइन्ट का प्रयोग किया जाता है। और प्रत्यक्ष रूप से ध्यान आकर्षित किया जा सकता है। इसमें ग्राफ, चित्र आदि का प्रदर्शन किया जा सकता है अथवा श्रोताओं का ध्यान मुख्य बिन्दुओं की ओर खींचा जा सकता है।

## पॉवर प्वाइन्ट कार्य कैसे करता है?

यद्यपि पॉवर प्वॉइन्ट में प्रदा (OutPut) पूर्ण रूप से डिजिटल है, जैसे - परम्परागत स्लाइड में प्रस्तुतकर्ता को पर्दे पर सूचनाएँ प्रदर्शित को आसा देता। स्लाइडस में शब्द, छाया (Images) ग्राफस और मूवी भी रहती है। इनका संगठन एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक जोन के लिये किया जा सकता है और इसका प्रयोग सही समय पर सही सूचना प्रदर्शित करने के लिये किया जा सकता है।

## पॉवर प्वाइन्ट एक रूपरेखा (आउट लाइन) के रूप में

डिजिटल प्रस्तुतीकरण से पहले प्रस्तुतकर्ता के लिये यह सामर्थ्य था वह नोट कार्ड (Note Cards) का प्रयोग करे अथवा प्रस्तुतीकरण के लिये एक रूप रेखा (Outline) तैयार करे। पॉवर पॉइन्ट ने प्रस्तुतकर्ता को प्रमुख बिन्दुओ के प्रदर्शन के लिये सक्षम बना दिया है कि प्रस्तुतीकरण के समय जो बिन्दु वह ले रहा है, उनका प्रदर्शन कर सकता है। इसमे न केवल प्रस्तुतकर्ता संलग्न रहता है बल्कि श्रोताओ को भी केन्द्र मे रखता है जब वह बिन्दुओ को स्पष्ट करता है। यह सब पॉवरपॉइन्ट के कारण सम्भव है।

## मल्टीमीडिया एकीकरण

पॉवरपॉइन्ट प्रयोगकर्ता को छाया चित्र, ग्राफ और मूवी को अपने प्रस्तुतीकरण मे सम्मिलित करने के लिये प्रेरित करता है। यदी प्रस्तुतकर्ता किसी कम्पनी के लाभों का प्रस्तुतीकरण कर रहा है तो प्रस्तुत कर्ता इसे ग्राफ का प्रदर्शन कर सकता है जिससे बिक्री मे बढ़ोतरी हो सके। इसके अतिरिक्त प्रस्तुतीकरण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिये फोटो ग्राफ्स, विडियो वीडियो विकल्प और आडियो विकल्प को साथ में प्रयोग कर सकता है।

# पॉवरपॉइन्ट के प्रयोग के प्रभावी टिप्स

⇒ स्लाइड डिजाइन में विरोधाभासी कलर का प्रयोग कम से कम किया जाए। एनीमेशन फीचर्स पर सरलता से जाये और निश्चय कर कि फॉण्ट (Font) पर्याप्त बड़ा है जो प्रोजेक्टर स्क्रीन पर आसानी से पढ़ा जा सकता है और श्रोताओं को संलग्न रख सकता है।

⇒ इसके द्वारा कई स्लाइड तैयार की जा सकती है जिन्हें प्रस्तुत केस के लिये कोई भी क्रम या स्टाइल का प्रयोग किया जा सकता है।

⇒ स्लाइड के माध्यम से ही पम्पलेट, नोटस एवं हेडआइट आदि छाप सकते है।

⇒ इस प्रकार पॉवर पॉइन्ट में अभ्यास कार्य कम्प्यूटर पर किया जाता है और इसमें स्लाइड का समय निश्चित किया जा सकता है और स्लाइड में जो सामग्री लगाई जाती है उसमें भी अनेक प्रकार के एनीमेशन प्रभाव डाल जा सकते है।

11/04/2020